महा मृत्युन्जय मंत्र

ॐ त्रयमबकम् यजामहे
सुगन्धिम पुष्टिवर्धनम।
ऊर्वारुकमिव बन्धनात्
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात ॥

भावार्थ :

हम भगवान शंकर की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं,
जो प्रत्येक श्वास में जीवन शक्ति का संचार करते हैं,
जो सम्पूर्ण जगत का पालन पोषण अपनी शक्ति से कर
रहे हैं। उनसे हमारी प्रार्थना है कि वे हमें मृत्यु के बन्धनों
से मुक्त कर दें जिससे मोक्ष की प्राप्ति हो जावे।

मंत्र लाभ :

1.) यह मंत्र जीवन प्रदान करता है। (अकाल, मृत्यु, दुर्घटना, इत्यादि)
2.) यह मंत्र सर्प एवं बिच्छु के काटने पर भी अपना प्रभाव रखता है।
3.) इस मंत्र का महत्वपूर्ण लाभ है कठिन एवं असाध्य रोगों पर विजय
प्राप्त करना।
4.) यह मंत्र हर बिमारी को भगाने का शस्त्र है।